शारीरिक रूप से विकलांग बालकों के लिए शिक्षा(Education for Physically Handicapped Children)

विकलांगता का अर्थ-हम किसी भी क्षेत्र में सफलता से काम कर सके या समाज द्वारा स्वीकृत तरीके से व्यवहार कर सकें । इसके लिए विशेष स्तर पर परिपक्वता की जरूरत पड़ती है । इसी कारण से अगर किसी व्यक्ति में किसी विशेष क्षेत्र में सही और संतुलित विकास नहीं हो पाया है तो वह व्यक्ति उस क्षेत्र में सफलतापूर्वक काम नहीं कर पाएगा । ऐसे ही बालकों को विकलांग बालकों की संज्ञा दी जाती है।

अपंगता के कारण-

1-मनोसामाजिक कारण

2-प्राकृतिक कारण

3-अर्थ अभाव अज्ञानता

4-मानव निर्मित

1-**मनो सामाजिक कारण**

मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं

*मानसिक

*आवेगात्मक

2-**प्राकृतिक कारण**

*प्राकृतिक आपदाएं

*गर्भ दोष या जन्मजात अनियमितता

*रुग्णता

3- **अर्थाअभाव एवं अज्ञानता**

*आर्थिक विपन्नता

*गंदे स्थानों में रहना

*कुपोषण युक्त आधा पेट खाना

4-**मानव निर्मित कारण**-

*युद्ध

*दंगे

*दुर्घटना

विकलांग बालकों के प्रकार-

1-शारीरिक विकलांग

2-मानसिक विकलांग

3-सामाजिक विकलांग

4-भावात्मक विकलांग

5-जन्मजात विकलांग

6-वंशानुक्रम से विकलांग

7-जन्म के उपरांत विकलांग

<u>शारीरिक विकलांगता का अर्थ और परिभाषा</u>-यदि हम शारीरिक विकलांगता की बात करें तो इसमें कुछ तो ऐसे कारण हैं जिन्हें जन्मजात विकलांगता आती है ।अब कुछ ऐसे कारण हैं जिनसे विकलांगता किसी दुर्घटना की वजह से आती है। ऐसे विकलांग बालकों में यह दोष इतना ज्यादा होता है कि यह किसी भी काम को सामान्य तरह से नहीं कर पाते हैं।

<u>परिभाषा</u>- **<u>क्रो एंड क्रो</u>** के अनुसार एक व्यक्ति जिसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष हो जो किसी भी प्रकार से उसको सामान्य क्रियाओं में भाग लेने से रोकता है अथवा उसको सीमित रखता है उसे हम शारीरिक न्यूनता ग्रस्त या विकलांगता कहते हैं।

<u>विकलांग बालकों की समस्याएं</u>-

इनकी मुख्य समस्याएं इस प्रकार हैं

1-परिवार की समस्याएं

2-विद्यालय की समस्याएं

3-हीन भावना

4-भावनात्मक समस्याएं

5-सामाजिक समायोजन में समस्या

6-सामान्य विषयों में अनुपयुक्त

7-शरीर की अपर्याप्तता

<u>कुछ अन्य प्रकार की समस्याएं</u>-

1-ऐसी अपंग बच्चे अपनी रोटियों को भी पूरा नहीं करते हैं इसका परिणाम यह होता है कि इनमें आत्मादया निरंतरता असहाय और रोष जैसी समस्या पैदा हो जाती है।

2-प्रशिक्षण के लिए खास तरह के उपकरणों की जरूरत पड़ती है जिनका हमारे यहां अभाव है।

3-ऐसे बालकों की को शिक्षा देने के लिए प्रशिक्षित अध्यापकों की जरूरत पड़ती है अध्यापकों को प्रशिक्षित करने के लिए उचित संख्या में प्रशिक्षण विद्यालयों की स्थापना हमारी सरकार को करना चाहिए।

<u>विकलांग बालकों के लिए कुछ खास तरह के प्रावधान</u>-

1-विशेष विद्यालय

2-विशेष अध्यापक

3-उपचार सुविधा

4-विशेष कक्षा

5-अतिरिक्त कक्षा

6-अधिगम अनुभव

7-पुनर्वास योजना

8-अभिव्यक्ति परिवर्तन

9-प्रशासनिक परिवर्तन

10-पाठ्यक्रम